SHRI NAGENDRANATH ROY

Shri Nagendranath Roy is a literary personality and eminent writer of Rajbangshi language in the field of Indian classical and traditional thought. His innovative writings, compositions, translations and poetical creations of many books have made him a legendary figure.

2. Born on 15th December, 1953 at Bodapara Garalpara village of Jalpaiguri District. Shri Roy took his education from Bhubanjote Primary School, Harasundar High School and Siliguri Collage. His father died when he was infant and his mother brought up him. He became scholar linguistically and literally with sincere care of his mother despite of untold difficulties.

3. Shri Roy has authored many books. Some of the notable books are Nigamkatha' (Story of Swami Nigamanada),' Shri Shri Geeta Ai', 'Chandalika Anubad' (Rabindranath Tagore's Chandalika), 'Chhaoali path' (Children reading books),' Shri Shri Debi Chandi Ai',' Kuler Guru, Kulaguru', 'Shrimadbhagbater Dasham Skandha', ' Glimpse of the Upanishad' and ' The Rajbangshi Ramayan'. Indeed, the Rajbangshi Ramayan is the greatest work of all his works. The socio cultural picture and characteristics of the society of the Rajbangshi people of North-East India is reflected along with the episodes of the Balmiki Ramayana. Shri Roy is honored and regarded as a great poet of North Bengal and also of North-East area of India.

4. Shri Roy is not only a writer but also a distinguished orator. He delivered more than 1000 (thousand) speeches and joined seminar and symposium nationally and internationally organized by different educational institutions like Colleges, Universities and Socio-Cultural Organizations.

5. Shri Roy is the recipient of numerous awards and honours. He has received 'Shiksha Ratna' Sanmanana from the Government of West Bengal in the year of 2011. In the year of 2019 he has been awarded 'Prasar Bharati' Sanmanana from All India Radio Station, Siliguri. Sanskar Varati, Siliguri has honored him as ' Saraswatir Barputra, Rajbangshi Vasa Sahityer Bhagirath' in the year of 2015. He has given 'Rajbangshi Vasa Academy and Kamtapuri Vasa Academy' award from the Government of West Bengal in the year of 2023. Many others prestigious awards and felicitations have been given upon him for his outstanding achievements.

श्री नगेन्द्रनाथ राय

श्री नगेन्द्रनाथ राय भारतीय शास्त्रीय और पारंपरिक चिंतन के क्षेत्र में राजबंगशी भाषा के एक साहित्यकार और प्रख्यात लेखक हैं। उनके अभिनव लेखन, रचनाओं, अनुवादों और कई पुस्तकों की काव्यात्मक रचनाओं ने उन्हें एक महान व्यक्तित्व बना दिया है।

2. 15 दिसंबर, 1953 को जलपाईगुड़ी जिले के बोडापारा गरलपारा गांव में जन्मे, श्री राय ने भुबनजोत प्राइमरी स्कूल, हरसुंदर हाई स्कूल और सिलीगुड़ी कॉलेज से शिक्षा प्राप्त की। बचपन में ही उनके पिता की मृत्यु हो गई और उनकी मां ने उनका पालन–पोषण किया। अनगिनत कठिनाइयों के बावजूद अपनी मां की बढ़िया देखभाल से वह भाषा और साहित्य के विद्वान बन गए।

3. श्री राय ने कई पुस्तकें लिखी हैं। उनकी कुछ उल्लेखनीय पुस्तकें हैं निगमकथा (स्वामी निगमानंद की कहानी), श्री श्री गीता आई, चंडालिका अनुबाद (रवींद्रनाथ टैगोर की चंडालिका), छावली पथ (बच्चों की पढ़ने वाली किताबें), श्री श्री देवी चंडी आई, कुलेर गुरु, कुलगुरु, श्रीमद्भागवत दशम स्कंध, 'उपनिषद की झलक' और 'राजबंगशी रामायण'। वास्तव में राजबंगशी रामायण उनकी सभी रचनाओं में सबसे महान रचना है। इस पुस्तक में रामायण के प्रसंगों के साथ–साथ उत्तर–पूर्व भारत के राजबंगशी लोगों के सामाजिक सांस्कृतिक चित्र और विशेषताओं को दर्शाया गया है। श्री राय को उत्तर बंगाल और भारत के उत्तर–पूर्व क्षेत्र के एक महान कवि के रूप में सम्मान दिया जाता है।

4. श्री राय न केवल एक लेखक हैं, बल्कि एक प्रतिष्ठित वक्ता भी हैं। उन्होंने 1000 (हजार) से अधिक भाषण दिए हैं और कॉलेजों, विश्वविद्यालयों और सामाजिक–सांस्कृतिक संगठनों जैसे विभिन्न शैक्षणिक संस्थानों द्वारा राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर आयोजित सेमिनार और संगोष्ठियों में भाग लिया है।

5. श्री राय को कई पुरस्कार और सम्मान प्राप्त हुए हैं। उन्हें वर्ष 2011 में पश्चिम बंगाल सरकार से 'शिक्षा रत्न' सम्मान मिला है। वर्ष 2019 में उन्हें ऑल इंडिया रेडियो स्टेशन, सिलीगुड़ी से 'प्रसार भारती' सम्मान मिला है। संस्कार वरती, सिलीगुड़ी ने वर्ष 2015 में उन्हें 'सरस्वती बरपुत्र, राजबंगशी वासा साहित्यकार भगीरथ' के रूप में सम्मानित किया है। उन्हें वर्ष 2023 में पश्चिम बंगाल सरकार की ओर से 'राजबंगशी वासा अकादमी और कामतापुरी वासा अकादमी' पुरस्कार दिया गया है। उनकी उत्कृष्ट उपलब्धियों के लिए उन्हें कई अन्य प्रतिष्ठित पुरस्कार और सम्मान दिए गए हैं।